107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मुख्य बिन्दु

ईएन टीम

- 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस 3-7 जनवरी 2020 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके परिसर, बंगलुरू, कर्नाटक में आयोजित की गयी.
- कार्यक्रम का केन्द्र बिंदु थाः 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीः ग्रामीण विकास'.
- कार्यक्रम के अतिरिक्त, किसान विज्ञान कांग्रेस का कार्यक्रम पहली बार आयोजित हुआ था. कार्यक्रम में कृषि में नवाचार प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला गया.
- किसान विज्ञान कांग्रेस में देशभर से लगभग 120 किसानों ने भाग लिया और अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया.
- विभिन्न कृषि क्षेत्र से विशेषज्ञों ने तीन बिंदुओं पर चर्चा की; किसानों की आय को दोगुना करने के लिए एकीकृत कृषि और उद्यमिता पर किसानों की प्रगति; वायुमंडल परिवर्तन, जैव

विविधता, संरक्षण, पारितंत्र सेवाएं और किसान सशक्तिकरण, और कृषि संबंधी आपदा, ग्रामीण जैव उद्यमिता, नीति मुद्दे.

- विशेषज्ञों ने खेती समुदाय और सामान्य लोगों के समग्र भले के लिए अगले स्तर तक के लिए ज्यादा वैज्ञानिक-किसान मेलजोल को बढ़ावा देने का विचार पेश किया.
- कार्यक्रम में आर्य (कृषि में युवाओं को आकर्षित करना और उन्हें बचाना) जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर पूरा जोर दिया गया. अब तक 5000 युवाओं को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है जिसमें उन्हें उद्यमी बनने और स्टार्ट अप शुरू करने का प्रशिक्षण दिया गया. लगभग 104 ऐसे स्टार्ट अप्स पहले से बाजार में प्रसंस्कृत खाघ पदार्थ का विपणन कर रहे हैं.
- सरकार ने घोषणा की है कि किसान नवाचार निधि और नवाचार केन्द्रों को प्रगतिशील किसानों द्वारा किए गए नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया जाएगा.
- कार्बनिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 45 प्रकार के कार्बनिक खेती प्रणालियों को भी आवासीय क्षेत्रों में विकसित किया गया है.
- कीटनाशक और उर्वरकों के प्रयोग को कम करने के लिए, आईसीएआर कार्बनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नैनो उर्वरक और नैनो कीटनाशक का विकास कर रही है.
- अकादमिक सदस्यों ने कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि विज्ञान के हिस्से के रूप में अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान को लाने की जरूरत पर बल दिया है.
- नोबेल पुरस्कार विजेता स्टीफन डब्ल्यु हेल ने कहा कि वे समझते हैं कि सरकारों के पास एप्लीकेशन्स के आधार पर अल्पकालिक वैज्ञानिक योजनाएं हैं, लेकिन उनके पास व्यापक अनुसंधान के लिए और स्थान होना चाहिए, ऐसा जरूरी नहीं कि उन्हें हमेशा परिणाम मिलें. उन्होंने कहा, ''बड़े आविष्कारों की योजना नहीं बनाई जा सकती. सरकारों को वैज्ञानिक अनुसंधान का निधिकरण करना होगा और वातावरण को सुधारना होगा.''
- नोबेल पुरस्कार विजेता एडा ई योनथ ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने शिक्षकों से प्रश्न पूछने की जिज्ञासा को बिना डरे दूर करें क्योंकि आपके शिक्षक सब कुछ नहीं जानते हैं. उन्होंने युवा अनुसंधानकर्ताओं से किसी से भी सलाह ना लेने को

कहा और कहा कि यहां तक कि मुझसे भी सलाह ना लें और अपना रास्ता खुद खोजें.

- भारतीय विज्ञान कांग्रेस के भाग के रूप में 6 जनवरी, 2020 को योग विज्ञान बैठक आयोजित की गई थी.
- एसवीवायएएसए योग मानित विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. एचआर नागेंद्र ने तनाव को दूर करने में योग के लाभों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि योग दिमाग, शरीर और आत्मा को स्वस्थ रखता है जिसके कारण योग करने वालों को बीमारियों से बचाता है. उन्होंने विभिन्न योग थैरेपी और आसन के बारे में बताया जो लोगों को फायदा पहुंचा सकता है. कनाडा से हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील बासू रे ने योग अनुसंधान पर जानकारी दी. उन्होंने योग कर रहे लोगों का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे योग उन्हें बीमारियों से दूर रखता है.
- भारतीय विज्ञान कांगेस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आई-स्टेम (भारतीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी इंजीनियरी सुविधाएं नक्शा) पोर्टल को आरम्भ किया.
- आई-स्टेम वेब पोर्टल उपयोगकर्ताओं के लिए विशिष्ट सुविधाएं, जो उनके आर एंड डी कार्य के लिए अपेक्षित हैं, के स्थान को पता लगाने का माध्यम है कि कौन सी सुविधा उनके समीप है या सबसे पहले उपलब्ध है.
- हाल के भारत सरकार के निर्देश द्वारा, भारत सरकार की

एजेंसियों द्वारा निधिबद्ध आर एंड डी सुविधाओं के साथ संस्थाओं को अब आई-स्टेम पोर्टल पर सूचीबद्ध होना होगा. आई-स्टेम पोर्टल द्वारा या संगठन की वेबसाइट, जहां अपेक्षित सुविधा स्थित है, कोई भी उसको प्रयोग करने के लिए आरक्षण कर सकता है.

- संसाधनों को चलाने और बनाए रखने के लिए संगठन एक शुल्क लेगा जो उपयोगकर्ता पर निर्भर करेगा कि वह कौन से क्षेत्र से है-अकादमिक क्षेत्र से है, सार्वजनिक संस्था या उद्योग से.
- विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया जाएगा जो समय-समय पर उपयोगकर्ताओं को आई-स्टेम के द्वारा उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम प्रयोग की जानकारी प्रदान करेगा.
- वेबसाइट यूआरएलः **http://www.istem.gov.in/**
- 107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के साथ 'भारत का गौरव-विज्ञान एक्स्पो- 2020' भी आयोजित किया गया था.
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मेगा एक्स्पो में अपने उत्पाद और प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित कीं.
- 150 प्रदर्शित वस्तुओं और मॉडलों के साथ 31 डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने विभिन्न अग्रणी देशी रक्षा प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करते हुए एक्स्पो में भाग लिया जो ''मेक इन इंडिया'' भावना को आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव की गाथा को बयां कर रहा था.
- डीआरडीओ मंडप के बाहरी प्रदर्शित वस्तुओं के प्रमुख आकर्षणों में शामिल थे- द लॉन्ग रेंज सर्फेस टू एअर मिसाइल (एलआरएसएएम), क्विक रिएक्शन सर्फेस टू एअर मिसाइल सिस्टम (क्यूआरएसएएम), आस्त्रा मिसाइल, बैटल फील्ड सर्विलैंस रडार (बीएफएसआर), एसलेशा और भरणी, मिनी-यूजीवी ऑटोनोमस सर्विलैंस रोबोट, सैंट्री ऑटोनोमस सर्विलैंस रोबोट आदि.
- आंतरिक प्रदर्शित वस्तुओं में एईडब्ल्यू एंड सी, यूएवी रूस्तम-I और तपस, निर्भय मिसाइल, आकाश मिसाइल प्रणाली,

पृथ्वी मिसाइल, नग मिसाइल, हैलीना, मारीच- अग्रिम टोरपेडो रक्षा प्रणाली, बुखारी- द हीटिंग सिस्टम, रेडी टू ईट पैक किए गए खाद्य पदार्थ, जूस आदि सहित डीआरडीओ के प्रत्येक प्रौद्योगिकी समूह से मॉडल शामिल किए गए थे.

- भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) के भाग के रूप में 9वां महिला विज्ञान कांग्रेस (डब्ल्यूएससी) आयोजित किया गया था.
- कार्यक्रम में महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को दर्शाया गया और युवा महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से विभिन्न समस्याओं को पहचानने और सरल हल निकालने के लिए विज्ञान में सक्रिय रूप से भाग लेने को प्रोत्साहित किया गया.
- विशेषज्ञों ने घरों में हो रहे लिंग पक्षपात को बताया जो एक व्यावहारिक समस्या है, जिसे बदला जाना चाहिए और यह कि डब्ल्यूएससी इन मुद्दों पर सोच विचार करे और गहन शोध करे और संस्तुति दें.
- किरण जैसी पहल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया.
- किरण (पोषण के माध्यम से अनुसंधान प्रगति में ज्ञान भागीदारी), डीएसटी की महिलाओं की एकमात्र योजना है जिसका लक्ष्य लिंग मुख्य विचारधारा द्वारा एस और टी में लिंग बराबरी को लाना है. किरण के विभिन्न कार्यक्रम और संघटक जैसे महिला वैज्ञानिक योजना-क (डब्ल्यूओएस-क), महिला वैज्ञानिक योजना-ख (डब्ल्यूओएस-ख), महिला वैज्ञानिकों द्वारा अपने कॅरिअर की राह में आए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों

(प्रमुखतया पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण कॅरिअर में रूकावट, स्व रोज़गार, अंशकालिक कॅरिअर, पुनर्वास आदि) को संभालता है.

(चित्रः गूगल के सौजन्य से)